prabhatkhabar.com

प्रभात खबर

लाइफ सेफ सेंड

जर्नलिज्म जिंदगी का

रांची, रविवार 14.06.2020

पेज 10 राज्य में शीघ्र कृषि नीति...

पेज 14 दर्शकों से भरे स्टेडियम में...

सुरक्षित ब्लड का महत्व जानना है, तो अमिताभ बच्चन की जीवनी से जानिए

कुली फिल्म की शूटिंग के दौरान गंभीर रूप से घायल अमिताभ बच्चन को 36 यूनिट ब्लड चढ़ाया गया था. इसमें एक यूनिट ब्लड हेपेटाइटिस बी से संक्रमित था. इसका परिणाम हुआ कि अमिताभ बच्चन आज भी हेपेटाइटिस बी से पीड़ित हैं.



जमीन चाहिए...

रांची शहर में

100% CLEAR जमीन

RESIDENTIAL / COMMERCIAL

CONSTRUCTION (DEVELOPMENT)

के लिए

"Conversion Basis या Outright Purchase" पर चाहिए.

Please Contact for Genuine & Transparent Deals :

Raj Kumar Agarwal

SHRI SAI MEGA PROJECTS PVT. LTD.

(Builders & Real Estate Developers)

Mob.: 90311-00351, 90316-69884

A Unit of श्री साई दरबार

(कपड़ों के थोक विक्रेता) अपर बाजार, रांची

सुरक्षित रक्त सुरक्षित जीवन

ब्लड यानी रक्त. ऐसी चीज है जिसे बनाया नहीं जा सकता. यह इंसान के शरीर में खुद ही बनता है. कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है. ऐसी ही इमरजेंसी स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान के लिए जागरूक करके, अनगिनत जरूरतमंदों की जिंदगी बचाने के उद्देश्य से हर साल **14 जून को 'रक्तदाता दिवस" मनाया जाता है**. इस वर्ष का थीम है सेफ ब्लड सेव्स लाइफ. स्लोगन है रक्तदान कीजिए और दुनिया को एक स्वस्थ स्थान बनायें. **ऐसे ही रक्तदाताओं पर पढ़िए यह रिपोर्ट.**



यह है रक्तदान से जुड़ी पांच भ्रांतियां

1. रक्तदान से शरीर कमजोर होता है

लोगों का मानना है कि रक्तदान करने से शरीर कमजोर हो जाता है. लेकिन ये बात सच नहीं है. रक्तदान करने के बाद आपका शरीर कमजोर नहीं पड़ता. बशर्ते आप डॉक्टर की सलाह का पालन करें.

2. एक बार से ज्यादा रक्तदान नहीं

लोगों को लगता है कि वो सिर्फ एक बार ही रक्तदान कर सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है. एक स्वस्थ व्यक्ति साल में चार बार रक्तदान कर सकता है. आप तीन महीने के अंतराल पर एक बार रक्तदान कर सकते हैं.

3. रक्तदान करने से बढ़ता है तनाव

न जाने क्यूं लोगों में यह भ्रम है कि रक्तदान करने से तनाव बढ़ता है. लोग मानते हैं कि रक्तदान के बाद से सिर दर्द की समस्या बढ़ जाती है, जबकि यह सच नहीं है. रक्तदान करने से ना तो किसी तरह का तनाव होता है और ना ही सिर दर्द की समस्या.

4. रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है

लोग मानते हैं कि रक्तदान से रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम होती है, लेकिन यह गलत है.

5. ब्लड प्रेशर स्थिर नहीं रहता

रक्तदान को लेकर यह भ्रम भी है कि इसके बाद व्यक्ति को बीपी की समस्या होती है. इस बात से डॉक्टर्स भी मना करते हैं कि रक्तदान के बाद हाई या लो बीपी जैसी कोई समस्या होती है.

यहां जानिए ब्लड डोनेशन के फायदे

ब्लड डोनेशन से हार्ट अटैक की आशंका कम हो जाती है. क्योंकि ब्लड डोनेशन से शरीर का खून पतला होता है, जो हृदय के लिए अच्छा माना जाता है.

नये रिसर्च के मुताबिक ब्लड डोनेट करने से कैंसर व अन्य बीमारियों का खतरा कम होता है.

ब्लड डोनेट करने के बाद बोनमैरो नये ब्लड सेल्स बनाते है, इससे शरीर को फूर्ती मिलती है.

विश्व रक्तदाता दिवस पर पढ़िए दानवीरों के जज्बे की कहानी

ब्लड डोनेशन से बढ़ती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

लाइफ सेवर्स आलोक गेरा



रक्तदान हर किसी को करना चाहिए. रक्तदान करने से सेहत भी बनती है. यह शरीर का इम्यून सिस्टम भी बढ़ाता है. मैंने पहली बार वर्ष 2000 में रक्तदान किया था. अभी तक **78 बार ब्लड डोनेट कर चुका हूं**. इस वर्ष अभी तक 12 बार प्लेटलेट्स डोनेट कर चुका हूं. आप एक साल में 24 बार प्लेटलेट्स डोनेट कर सकते हैं. ब्लड डोनेशन करके मुझे बहुत खुशी मिलती है. अच्छा लगता है कि दूसरे का काम आ सका.

हरमीत को मिलती है रक्तदान से संतुष्टि

समाजसेवी हरमीत सिंह



हमारे शरीर में जो ब्लड बनता है वह किसी फैक्ट्री में नहीं बनता. एक यूनिट से तीन लोगों की जान बच सकती है. हमारा शरीर ब्लड डोनेट करने से स्वस्थ भी होता है. ईश्वर की कृपा है कि हम दूसरों कि मदद कर पा रहे हैं. अब तक **65 बार ब्लड डोनेट कर चुका हूं.** ब्लड डोनेट करने से आत्म संतुष्टि मिलती है. यह मेरा संकल्प है कि हर जरूरतमंद तक सुरक्षित ब्लड पहुंचाया जाये, ताकि किसी की अनमोल जिंदगी बच सके. इसके लिए हर व्यक्ति को आगे आना होगा.

हर वर्ष कम से कम दो बार देता हूं ब्लड

प्रो हुसैन अहमद, जेवियर्स कॉलेज



कॉलेज में पढ़ रहा था, उसी दौरान एक व्यक्ति को खून न मिल पाने के कारण काफी चिंतित देखा. कारण पूछा तो उस व्यक्ति ने बताया कि किसी परिचित को ब्लड की शीघ्र जरूरत है. कैंसर की बीमारी है. मैंने अपना रक्त देने की बात कही, तो उस व्यक्ति के चेहरे पर जो खुशी देखी, वह आज भी सामने है. तब से मैंने ठान लिया कि ऐसे ही लोगों की सेवा करनी है. साल में कम से कम दो बार ब्लड डोनेट कर लेता हूं. अब तक **40 बार रक्तदान कर चुका हूं**.

यह भी जानना जरूरी है

एक औसत व्यक्ति के शरीर में 10 यूनिट (5-6 लीटर) रक्त होता है

रक्तदान के दौरान सिर्फ एक यूनिट ब्लड ही लिया जाता है

एक बार रक्तदान से आप तीन लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं

10 दिन के नवजात के लिए किया रक्तदान

असिस्टेंट प्रोफेसर विशाल शाह



57 बार रक्तदान कर चुका हूं. लॉकडाउन में भी रक्तदान किया. रक्तदान से तीन जिंदगियां बचती हैं. हाल ही में 10 दिन के एक नवजात को प्लेटलेट्स की जरूरत आ पड़ी. जानकारी मिलने के बाद हॉस्पिटल जाकर प्लेटलेट्स डोनेट किया. 10 जून को निमोनिया से पीड़ित एक महीने के बच्चे के लिए रक्तदान किया. यह हमारा कर्तव्य है अगर हम सावधानी के साथ कोई भी कार्य करें तो वह सफल हो सकता है. जिस तरह घर की जरूरत पूरा करने के लिए सावधानी से बाहर निकल रहे हैं, उसी तरह किसी की जिंदगी भी बचायी जा सकती है.

सहकर्मी के रिश्तेदार के लिए दिया ब्लड

अभिषेक कुमार, कोकर



कहीं भी रहूं, लेकिन दूसरों की मदद का जज्बा कभी कम नहीं हुआ. लॉकडाउन के दौरान ऑफिस (पटना) के एक सहकर्मी के किसी परिचित की सर्जरी होनेवाली थी. इसलिए उन्हें ब्लड की आवश्यकता थी. जब जानकारी मिली तो बिना कुछ सोचे उनकी मदद के लिए हॉस्पिटल पहुंचा और ब्लड डोनेट किया. हमेशा प्रयास रहा कि हर तीन-चार महीने में किसी जरूरतमंद के लिए रक्तदान कर सकूं. **25 बार ब्लड डोनेट कर चुका हूं.** रक्तदान करने के बाद एक अलग ही खुशी मिलती है. मानो अपना एक कर्तव्य निभाया.

लॉकडाउन में चार बार लगाया रक्तदान शिविर

सूरज झंडई



लॉकडाउन में ब्लड बैंक में रक्त की आवश्यकता को देखते हुए सूरज झंडई व उनकी टीम ने चार बार रक्तदान शिविर लगाया. साथ ही एक वीडियो बनाकर लोगों तक शेयर किया. इससे अधिक से अधिक लोग रक्तदान करने के लिए आगे आयें. सूरज अभी तक **70 बार ब्लड डोनेट कर चुके हैं**. लॉकडाउन के बीच ब्लड डोनेशन कैंप में 230 लोगों ने ब्लड डोनेट किया. अगर लोग डर कर घर बैठ गये, तो जरूरतमंदों की मदद कैसे संभव है. उनकी मदद के लिए किसी न किसी को आगे आना ही होगा.

न्यू नॉर्मल थीम पर लग रहे ब्लड डोनेशन कैंप

रांची. कोरोना संक्रमण ने सभी पेशे और शौक की उड़ान पर रोक लगा दी थी. शहर हों या गांव हर जगह लॉकडाउन लागू था. कड़ी सुरक्षा वाले लॉकडाउन में भी रक्तदाताओं का जज्बा कम नहीं हुआ. कोरोना काल में ब्लड डोनर को इकट्ठा करने के लिए न्यू नॉर्मल स्ट्रेटजी अपनायी जा रही है. अब लोगों को कैंप की जानकारी न देकर सीधे संपर्क कर बुलाया जा रहा है. फोन पर समय और जगह की जानकारी दी जा रही है. इससे ब्लड डोनर्स आसानी से सोशल डिस्टैंसिंग के साथ सैनिटाइज्ड जगह पर ब्लड डोनेट कर पा रहे हैं.

यह है ब्लड डोनर्स के लिए न्यू नॉर्मल फॉर्मूला

कोरोना काल से पूर्व ब्लड डोनेशन कैंप की जानकारी लोगों तक विभिन्न माध्यम से पहुंचायी जाती थी. इसके बाद लोग कैंप पहुंचकर ब्लड डोनेट करते थे. कोरोना काल में सबकुछ बदल चुका है. ब्लड डोनर्स को इकट्ठा करने के लिए न्यू नॉर्मल फॉर्मूला तैयार किया गया है. अब विभिन्न ब्लड डोनेशन कैंप के जरिये ब्लड डोनर की सूची लेकर उन्हें फोन किया जाता है. तीन महीने या उससे अधिक समय बीत चुके डोनर को टाइम स्लॉट देकर ब्लड डोनेशन के लिए बुलाया जा रहा है.

नये रक्तदाताओं की सूची की गयी है तैयार

फोन पर पहले से ब्लड डोनेट कर रहे लोगों को टास्क दिया जा रहा है. इसके तहत ब्लड डोनर को अपने साथ एक एक्सट्रा डोनर को लाना होगा. यह डोनर की इच्छा पर है. नये डोनर को मोटिवेट किया जा रहा है. ब्लड डोनेशन के फायदे बताये जा रहे हैं. सदर अस्पताल के अनुसार लॉकडाउन में इस फॉर्मूले को अपनाकर करीब 350 नये ब्लड डोनर्स को तैयार किया गया है.

ब्लड डोनेशन कैंप में सुरक्षा ही सावधानी

कोरोना काल में ब्लड डोनेशन कैंप के संचालन का तरीका बदला है. पहले एक ब्लड डोनेशन कैंप में 50 यूनिट ब्लड का लक्ष्य होता था. कोरोना संकट की वजह से संख्या घटी है. अब 30 ब्लड डोनर की सूची बनायी जा रही है. ब्लड डोनेशन बेड के बीच की दूरी तीन से चार फीट कर दी गयी है. प्रत्येक बार डोनर के उठने के बाद बेड को सैनिटाइज किया जा रहा है. ब्लड बैंक एक समय में सिर्फ एक डोनर को इंट्री दी जा रही है.



ख्रीस्त के पवित्रतम शरीर और रक्त का पर्व आज

रांची. कैथोलिक कलीसिया रविवार को ख्रीस्त के पवित्रतम शरीर और रक्त का महोत्सव मनायेगी. फादर सुशील टोप्पो ने बताया कि यह पर्व पेंतेकोस्त दिवस के बाद पहले रविवार और परम पावन त्रित्व महोत्सव के बाद दूसरे रविवार को मनाया जाता है. यीशु ख्रीस्त के पवित्र देह और लहू को पवित्र युखरिस्त या पवित्र परमप्रसाद से भी जाना जाता है. यह परमप्रसाद कैथोलिक कलीसिया ख्रीस्तीयों के जीवन का केंद्र बिंदू और आधार है. इसके बिना हर ख्रीस्तीय समारोह अधूरा है. उन्होंने बताया कि परमप्रसाद दो रूपों में होता है. एक रोटी का रूप और दूसरा दाखरस का रूप. मिस्सा बलिदान में हर ख्रीस्तीय इसे भक्तिपूर्वक ग्रहण करता है. यह परम प्रसाद हर हर ख्रीस्त विश्वसी के लिए अध्यात्मिक भोजन है अर्थात अध्यात्मिक जीवन का पोषक है.

जुलाई में होगी मदरसा और मध्यमा की परीक्षा

रांची. मदरसा, मध्यमा व इंटरमीडिएट वोकेशनल की परीक्षा जुलाई अंत तक होने की संभावना है. लॉकडाउन के कारण जैक ने अब तक इन परीक्षाओं की तिथि घोषित नहीं की है. अब जैक ने तीनों परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी है. परीक्षा की तिथि की घोषणा इस माह कर दी जायेगी. परीक्षा केंद्र के निर्धारण को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र लिखा गया है. पूछा गया है कि परीक्षा केंद्रों पर सोशल डिस्टैंसिंग का अनुपालन हो पायेगा या नहीं.

शिक्षा ओ अनुसंधान को टॉप-20 में मिली जगह



भुवनेश्वर. एनआइआरएफ रैंकिंग में ओड़िशा के शैक्षणिक संस्थान शिक्षा ओ अनुसंधान (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) को इस वर्ष यूनिवर्सिटी कैटेगरी में टॉप-20 में 20वां स्थान मिला है. इस संस्थान को लगातार तीन वर्षों से टॉप-20 में जगह मिल रही है. वर्ष 2017 में इसे डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का दर्जा मिला था. इंजीनियरिंग कैटेगरी में 34वां और मेडिकल कॉलेज की कैटेगरी में 23वां स्थान मिला है. शिक्षा ओ अनुसंधान की डेंटल साइंस की फैकल्टी इस रैंकिंग में पहली बार शामिल हुई थी, इसे राष्ट्रीय स्तर पर 12वां स्थान मिला है. कुलपति प्रो अशोक कुमार महापात्रा ने इस पर खुशी जाहिर की है. संस्थापक अध्यक्ष मनोरंजन नायक ने कहा कि इस रैंकिंग से हमें भविष्य में और बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी.

कोरोना रोकने को लेकर सचेत रहेगा चेंबर

रांची. झारखंड में लगभग सभी तरह के कारोबार व व्यापार संचालन की अनुमति के बाद अब माहौल कैसे सुरक्षित रखा जाये, इसके लिए झारखंड चेंबर के पदाधिकारियों की बैठक शनिवार को हुई. इसमें तय किया गया कि संक्रमण से बचाव के लिए सरकार द्वारा निर्धारित सभी सुरक्षा मापदंडों के पालन की पहल की जायेगी. यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि किसी दुकान में एक वक्त में पांच से अधिक लोग एकत्रित न हों. साथ ही वहां फेस मास्क, हैंड सैनिटाइजर का उपयोग किया जायेगा. झारखंड चेंबर के महासचिव धीरज तनेजा ने कहा कि हम देखेंगे कि दुकानों में सुरक्षा मानकों का ध्यान रखा जा रहा है या नहीं. इस अभियान की शुरुआत सोमवार से की जायेगी. इस दौरान दुकानों में चेंबर द्वारा सुरक्षा जागरूकता पोस्टर भी लगाया जायेगा. बैठक में चेंबर अध्यक्ष कुणाल अजमानी, प्रवीण जैन छाबड़ा, राम बांगड़ व विकास विजयवर्गीय उपस्थित थे.

कृष्णापुरी में होम्योपैथिक दवा का वितरण

रांची. मां काली एवं शिव मंदिर समिति और शिव होमियो हॉल की ओर से शनिवार को होम्योपैथिक दवा आर्सेनिक एल्बम 30 निशुल्क वितरण किया गया. यह आयोजन समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष ऊषा पांडेय के मार्गदर्शन में कृष्णापुरी रेलवे कॉलोनी में हुआ. रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 700 लोगों को दवा दी गयी. इस मौके पर डॉ शिव बचन शर्मा, रामकुमार सिंह, अमित कुमार, भीम शर्मा बलदेव और आशुतोष कुमार मौजूद थे.

सेवा में जुटा रहा आरएसएस का भोजन केंद्र



रांची. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रांची महानगर के सेवा विभाग की ओर से पिछले ढाई महीने से भोजन वितरण केंद्र चलाया जा रहा था. केंद्र का संचालन शिवाजी नगर सेवा विभाग की ओर से नगराटोली वार्ड पार्षद कार्यालय में चलाया जा रहा था. शनिवार को सेवा कार्य के अंतिम दिन कोरोना वायरस से छुटकारा पाने के लिए संघ के सदस्यों ने हवन किया. मौके पर उत्तर पूर्व क्षेत्र के संघ चालक सिद्धनाथ सिंह, सह संघ चालक देवव्रत पाहन, महानगर के सह संघ चालक सत्य नारायण कंठ, शिवाजीनगर के सह संघ चालक विजय बंशल, प्रांत प्रचारक रविशंकर, महानगर कार्यवाह धनंजय सिंह, विभाग सेवा प्रमुख कन्हैया, पार्षद रोशनी खलको मौजूद थीं.

लकी बिल्डकॉन. ड्रीम टावर्स के काम में तेजी



रांची. लकी बिल्डकॉन के निर्माणाधीन रेसिडेंसियल प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य में पहले की तरह तेजी आ गयी है. कंपनी के महाप्रबंधक कृष्णा ने कहा कि कंपनी के बेंचमार्क प्रोजेक्ट ड्रीम टावर्स में भी अन्य प्रोजेक्ट की तरह लॉकडाउन के दौरान काम बंद कर दिया गया था. यह प्रोजेक्ट पुंदाग में अरगोड़ा-कटहल मोड़ मार्ग पर अरगोड़ा चौक से लगभग 2.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. इसमें टू और थ्री बीएचके के फ्लैट अलग-अलग साइज में उपलब्ध हैं.

वेबिनार. साईंनाथ यूनिवर्सिटी में बादल पत्रलेख ने कहा

राज्य में शीघ्र कृषि नीति लागू करने की है तैयारी

लाइफ रिपोर्टर @ रांची



वेबिनार में शामिल कृषि मंत्री बादल पत्रलेख और अन्य.

जैविक खेती से होनेवाले उत्पादन का सेवन करने से शरीर के इम्यूनिटी सिस्टम को बढ़ाया जा सकता है. सरकार किसानों के लिए कृषि नीति लागू करने की तैयारी कर रही है. इससे किसानों को उन्नत बीज, खाद्य, खेती-किसानी के लिए आधुनिक उपकरण, फसल का बीमा, किसानों को ऋण की सुविधा आसानी से मिल सकेगी. यह बातें शनिवार को कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने कहीं. वह शनिवार को साईंनाथ यूनिवर्सिटी के वेबिनार में बोल रहे थे. विषय था 'झारखंड राज्य में जैविक खेती का कार्यान्वयन'.

उन्होंने कहा कि किसानों की आमदानी बढ़ाने के लिए सरकार हर संभव कदम उठायेगी. ग्रामीणों को खेती किसानी से जुड़ने के लिए जागरूक किया जायेगा. साथ ही जैविक खेती की ट्रेनिंग दी जायेगी.

जैविक खेती से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं : बीएयू के कुलपति डॉ डीएन सिंह ने कहा कि इन दिनों किसान उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रासायनिक खाद, जहरीले कीटनाशक पदार्थ का इस्तेमाल कर रहे हैं. इससे स्वास्थ्य, जल, भूमि और वायु प्रदूषण बढ़ रहा है. जैविक खेती की जानकारी देकर इन समस्याओं पर काबू पाया जा सकता है. कृषि उत्पाद निर्यात विभाग नयी दिल्ली के महाप्रबंधक विनोद कुमार विद्यार्थी ने कहा कि जैविक खेती को बढ़ाने के लिए युवा शक्ति की जरूरत है. भारतीय खाद्य निगम के निदेशक राजीव कुमार सिंह ने कहा कि जैविक खेती अपनाने से राज्य में पंजाब और हरियाणा से ज्यादा उत्पादन किया जा सकता है. इस मौके पर विवि के कुलपति प्रो डॉ एसपी अग्रवाल, डॉ विजयकांत पांडेय, प्रो निकिता ठाकुर, डॉ विमलेंदु कुमार राय, सहायक कुलसचिव राकेश राजदीप, सहायक डीन एकेडमिक परमेंदर सागर मौजूद थे.

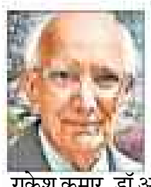
हाथों में मजदूरी करनेवाले औजार नहीं, किताब थमायें



लाइफ रिपोर्टर @ रांची

रांची चाइल्ड लाइन की सहयोगी संस्था, छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ द्वारा हटिया रेलवे चेक पोस्ट रोड नंबर चार में बाल श्रम निषेध कानून पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. पार्षद सुचिता रानी ने कहा कि बाल श्रम पर रोक लगाना और इस बारे में जागरूकता फैलाना जरूरी है. संस्था की निदेशक सचि कुमारी ने कहा कि गरीबी, कुपोषण के साथ ही बाल मजदूरी भी गंभीर समस्याओं में एक है. यह देश के भविष्य और तरक्की के लिए किसी भी तरह सही नहीं है. इन हाथों में मजदूरी करने वाले औजार पकड़ाने की जगह किताबें थमायें.चाइल्ड लाइन की नोडल को-ऑर्डिनेटर सुराधा कच्छप ने कहा कि बच्चों को कोविड-19 महामारी के दौरान सुरक्षित रखना है.

मृदा वैज्ञानिक डॉ रतन लाल को दी बधाई



रांची. प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी मृदा वैज्ञानिक डॉ रतन लाल का चयन विश्व खाद्य पुरस्कार-2020 के लिए किया गया है. डॉ लाल को कृषि क्षेत्र में नोबेल प्राइज के समतुल्य विश्व खाद्य पुरस्कार-2020 मिलने पर बीएयू के इंडियन सोसाइटी ऑफ स्वाइल साइंस, रांची चैप्टर के अध्यक्ष डॉ डीके शाही, सचिव डॉ बीके अग्रवाल, डॉ राकेश कुमार, डॉ अरविंद कुमार सहित मृदा वैज्ञानिक डॉ एके सरकार, डॉ बीपी सिंह और डॉ बी मिश्र ने बधाई दी है.

डॉ गोपाल पाठक कुलपति के पद पर बने रहेंगे

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

कुलपति ने अपने कार्यकाल में छात्रहित में कई कार्य किये



झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति के पद पर डॉ गोपाल पाठक बने रहेंगे. राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने डॉ पाठक को चार माह या नयी नियुक्ति होने (जो पहले हो) तक पद पर बने रहने का निर्देश जारी किया है. डॉ पाठक का कार्यकाल 14 जून को समाप्त हो रहा था. झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी बनने के बाद डॉ पाठक पहले कुलपति के रूप में नियुक्त हुए हैं. राजभवन द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, कोविड-19 के कारण उत्पन्न असाधारण परिस्थिति को देखते हुए डॉ पाठक को पद पर बने रहने का निर्देश दिया गया है. कुलपति की नियुक्ति के लिए सर्च कमेटी का गठन किया जाना था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से ऐसा संभव नहीं हो पाया. टेक्निकल यूनिवर्सिटी में कुलपति का कार्यकाल तीन साल या उम्र सीमा 70 वर्ष के आधार पर होता है. हालांकि टेक्निकल यूनिवर्सिटी एक्ट में कुलपति को और तीन साल के लिए पुनर्नियुक्त करने का भी प्रावधान है.

इधर, बिरसा कृषि विवि में स्थायी कुलपति के लिए फिलहाल अंतिम निर्णय नहीं हो सका. योग्य उम्मीदवारों से 20 जनवरी 2020 को आवेदन आमंत्रित किया गया था.

झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ गोपाल पाठक ने अपने कार्यकाल में छात्र हित में कई कार्य किये. उन्होंने विवि के शासी निकाय, कार्यकारिणी परिषद, शैक्षणिक परिषद, परीक्षा समिति एवं अन्य प्राधिकार का गठन किया. राज्य में तकनीकी शिक्षा में 12 वर्षों से बंद शोध कार्य के लिए पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू किया. विवि में पंजीयन एवं रिजल्ट के सभी कार्य ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के तकनीकी माध्यम से शुरू कराया. इसके अलावा विवि में पांच स्नातकोत्तर विभाग शुरू करने की प्रक्रिया शुरू की,जो अब अंतिम चरण में है. तकनीकी पाठ्यक्रमों की परीक्षा व रिजल्ट ससमय होने लगा. कोरोना महामारी व लॉकडाउन को देखते हुए इन्होंने छात्र हित में यूजीसी व एआइसीटीइ के दिशा-निर्देश के आलोक में झारखंड में सबसे पहले छात्रों को अगले सेमेस्टर में प्रोन्नति के लिए नियम लागू किया. बीटेक में कोरोना से संबंधित पढ़ाई के लिए एक चैप्टर लागू करने का निर्णय लिया.

प्रबंधक के लिए सही डेटा एकत्रित रखना जरूरी



रांची. आइएसएम पुंदाग में निर्णय लेने और प्रबंधन में डेटा की भूमिका विषय पर शनिवार को राष्ट्रीय वेबिनार हुआ. जेस्ट मनी, बेंगलुरु की सीनियर विंग डेटा इंजीनियर कीर्ति वर्मा ने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा युक्त व्यापारिक वातावरण में सटीक और सही निर्णय लेने के लिए अधिक से अधिक डेटा एकत्रित करने की जरूरत है. किसी भी प्रबंधक को प्रतिदिन महत्वपूर्ण निर्णय लेना होता है. निर्णय लेने का आधार उनके पास उपलब्ध सही डेटा पर निर्भर करता है. उन्होंने कहा कि हर कदम चुनौतियों और जोखिम से भरा है. आगंतुकों का स्वागत पूजा गुप्ता और धन्यवाद ज्ञापन अनिमेष सरकार ने किया. इस मौके पर आरके वर्मा, निदेशक डॉ गंगा प्रसाद सिंह, डॉ हरिहरण और डॉ सुशील कुमार आदि उपस्थित थे.

आज रक्तदाता दिवस पर चार जगह लगेगा रक्तदान शिविर

रांची. विश्व रक्तदाता दिवस पर रविवार को चार जगहों पर रक्तदान शिविर लगाया जायेगा. एक्सआइएसएस, निर्मला कॉलेज, कृष्णानगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा व पंचमुखी कोल एंड मिनर्ल प्राइवेट लिमिटेड में रक्तदान शिविर लगाया गया है.

झारखंड कोचिंग एसोसिएशन ने किया प्रदर्शन



रांची. झारखंड कोचिंग एसोसिएशन के सदस्यों ने शनिवार को हरी ओम टावर कैंपस में अपनी पांच सूत्री मांग को लेकर प्रदर्शन किया. एसोसिएशन की सरकार से मांग है कि लॉकडाउन के दौरान का किराया माफ किया जाये. इसके अलावा सोशल डिस्टैंसिंग का पालन करते हुए कोचिंग सेंटर खोलने की अनुमति दी जाये. शैक्षणिक संस्थानों को आर्थिक सहायता मिले. सरकार लॉकडाउन के दौरान कोचिंग संस्थान का बिजली बिल, जीएसटी और कॉरपोरेशन टैक्स माफ करे. शैक्षणिक संस्थान के संचालन के लिए ऋण का प्रावधान हो. एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि मुख्यमंत्री यदि कोचिंग संस्थानों के प्रति उदासिन रवैया अपनायेंगे, आने वाले दिनों में हजारों कोचिंग संस्थान बंद हो जायेंगे.

स्टूडेंट्स को प्रोमोट करें विवि और कॉलेज

रांची. झारखंड छात्र संघ ने रांची विश्वविद्यालय सहित राज्य के अन्य विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों द्वारा स्नातक व स्नातकोत्तर की ऑनलाइन परीक्षा लेने का विरोध करते हुए इसे अनुचित बताया है. संघ की सचिव सह रांची विश्वविद्यालय छात्र संघ की पूर्व संयुक्त सचिव नाजिया तबस्सुम ने कहा कि ऑनलाइन परीक्षा कराने के बजाय सभी विद्यार्थियों को प्रोमोशन देना चाहिए. कोरोना के कारण लॉकडाउन से पूर्व ही शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी दे दी गयी थी. इससे सिलेबस अधूरा रह गया है. ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी सही नहीं रहती और वहां पाठ्य सामग्री का आभाव है. ऐसे में ऑनलाइन परीक्षा के नाम पर लाखों रुपये खर्च करना उचित नहीं होगा.

एनएसयूआइ ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

रांची. एनएसयूआइ के प्रदेश सचिव अभिजीत सिंह ने डॉ श्यामा प्रसाद विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के विद्यार्थियों को बिना परीक्षा के ही प्रोन्नत करने की मांग की है. कुलपति को ज्ञापन देकर कहा है कि दुर्गम क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधा नहीं होने की वजह से ऑनलाइन परीक्षा संभव नहीं है. लॉकडाउन की वजह से शहरों में भी इंटरनेट कैफे बंद हैं. इंटरनेट या मोबाइल नहीं होने पर शहरों में भी छात्र परीक्षा नहीं दे सकेंगे. ऑनलाइन कक्षाओं में भी सभी छात्र शामिल नहीं हो सके हैं.

डीएवी स्कूल्स का टीचर्स कैपिसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम

रांची. डीएवी पब्लिक स्कूल्स झारखंड जोन बी में चल रहे टीचर्स कैपिसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम मैथ्स, साइंस एवं कॉमर्स विषयों का आयोजन किया गया. इसमें ऑनलाइन 125 शिक्षकों ने भाग लिया. कक्षा तीन से 12वीं कक्षा के विषय विशेषज्ञों ने सभी शिक्षकों को उनके द्वारा रेखांकित संदेहास्पद क्षेत्र पर चर्चा की गयी. क्षेत्रीय सहायक अधिकारी डीएवी पब्लिक स्कूल्स झारखंड जोन-बी एमके सिन्हा ने कहा कि जिनके अंदर कुछ सीखने की प्रवृत्ति होती है वे ही बहुमूल्य ज्ञान को अर्जित कर पाते हैं. शिक्षक कक्षा में प्रवेश करने के पूर्व स्वयं अपने टॉपिक को तैयार करके जायें. शिक्षकों में ताउम्र नई चीजों को सीखने की ललक होनी चाहिए. श्रेष्ठ शिक्षक वही होता है जिसके ज्ञान का प्रभाव कक्षा में बैठे अंतिम विद्यार्थी तक पड़े.

निजी स्कूल के शिक्षकों को मिले कोरोना से बचाव का प्रशिक्षण

रांची. स्वतंत्र राष्ट्रवादी पार्टी ने राज्य के निजी स्कूल के शिक्षकों को भी कोरोना से बचाव को लेकर प्रशिक्षण देने की मांग की है. पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष राम प्रकाश तिवारी ने निजी स्कूल के शिक्षकों को भी प्रशिक्षण के लिए पंजीयन कराने की अनुमति देने की मांग शिक्षा परियोजना से की है. मालूम है कि शिक्षा परियोजना ने सरकारी विद्यालय के शिक्षकों को कोरोना से बचाव के लिए प्रशिक्षण देने की बात कही है.

होमियोपैथिक मेडिकल एसोसिएशन की सराहना



रांची. होमियोपैथिक मेडिकल एसोसिएशन के सहयोग से डॉ महुआ माजी ने शनिवार को 1500 लोगों के बीच होमियोपैथिक दवा आर्सेनिक एल्बम 30 का वितरण किया. मधुकम स्थित सुखदेव नगर कॉलोनी में 600, गाड़ीखाना मंदिर प्रांगण में 300, माउंट मोटर गली में एक हजार वायल दवाईयां दी गयी. इससे 13,600 लोगों को लाभ मिलेगा. महुआ माजी ने एसोसिएशन के कार्य की सराहना की. सचिव डॉ राजीव कुमार ने दवा खाने की विधि व सावधानी बरतने की जानकारी दी. इस मौके पर दीपम बनर्जी आदि मौजूद थे.

सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हैं असीम संभावनाएं

रांची. तुपुदाना स्थित सेंटर फॉर बायोइंफॉर्मेटिक्स की ओर से शनिवार को वेबिनार हुआ. डिपार्टमेंट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग के नवाज हैदर ने विद्यार्थियों को सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं की जानकारी दी. कहा कि आनेवाले दिनों में इस क्षेत्र की डिमांड और भी बढ़ेगी. इससे विद्यार्थियों को रोजगार के कई अवसर मिलेंगे. 'कंस्ट्रक्शन साइट की चुनौतियां' पर जानकारी साझा की. संचालन अमित कुमार सिंह ने किया. मौके पर डॉ रश्मि भी मौजूद थीं.

एक्सआइएसएस निदेशक का पद संभालेंगे फादर जोसफ

रांची. सोसाइटी ऑफ जीसस, रांची के पूर्व प्रोविंशियल फादर जोसफ मरियानुस कुजूर सोमवार (15 जून) को एक्सआइएसएस के नये निदेशक का पदभार संभालेंगे. इससे पूर्व फादर एलेक्स एक्का के पद छोड़ने के बाद प्रो अमर एरोन तिग्गा ने एक अगस्त 2019 से इंस्टीट्यूट के कार्यकारी निदेशक का पद संभाला था. प्रो अमर एरोन तिग्गा 15 जून से एक्सआइएसएस के चीफ प्लेसमेंट कोऑर्डिनेटर व मार्केटिंग डिपार्टमेंट में प्रोफेसर के पद पर कार्य करेंगे.

निर्मला कॉन्वेंट स्कूल में ऑनलाइन गोष्ठी



रांची. निर्मला कॉन्वेंट स्कूल में शनिवार को ऑनलाइन गोष्ठी हुई. प्राचार्य विजय शर्मा ने कहा कि स्कूल परिवार कोरोना में अभिभावकों तथा विद्यार्थियों का विशेष ख्याल रख रहा है. शिक्षक ऑनलाइन बच्चों की पढ़ाई करा रहे हैं. कोरोना से सुरक्षा की जानकारी दी जा रही है. सचिव सीमा शर्मा ने कहा कि स्कूल हर परस्थिति के लिए तैयार है. मौके पर विमलेश अवस्थी, योगेंद्र कुमार, जितेश कुमार, पूनम देवी, मुकेश शर्मा, कविता कुमारी, रीता देवी मौजूद थीं.

प्रवेश परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन शुरू

रांची. अभियंत्रण व डिप्लोमा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (लेटेरल परीक्षा) का ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गया है. आवेदन तीन जुलाई तक जमा होगा. संभावना है कि परीक्षा जुलाई के तीसरे सप्ताह में होगी.

सीयूजे. आलोक गुप्ता बने विभागाध्यक्ष

रांची. केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के पॉलिटिक्स एंड इंटरनेशनल रिलेशन विभाग के नये अध्यक्ष डॉ आलोक कुमार गुप्ता बनाये गये हैं. इन्हें तीन वर्ष के लिए विभागाध्यक्ष बनाया गया है. कुलपति के आदेश पर रजिस्ट्रार ने अधिसूचना जारी कर दी है.

मारवाड़ी कॉलेज में ऑनलाइन परीक्षा 16 से

रांची. मारवाड़ी कॉलेज में यूजी फाइनल सेमेस्टर छह और पीजी फाइनल सेमेस्टर चार के वोकेशनल व नन वोकेशनल विद्यार्थियों के लिए ऑलाइन परीक्षा 16 जून से एक जुलाई तक होगी. एक वर्षीय अमानत सर्टिफिकेट कोर्स की भी परीक्षा 16 जून से शुरू होगी.

स्कूल से संबंधित जानकारी 15 जून तक दें

रांची. यू-डायस प्लस के अंतर्गत 2019-20 से संबंधित जानकारी देने की अंतिम तिथि 15 जून है. जिला शिक्षा पदाधिकारी व जिला शिक्षा अधीक्षक को विद्यालय द्वारा दी गयी जानकारी का संकलन अपलोड करने को कहा गया है.

सहयोग | रामकृष्ण मिशन और केवीके रांची दिव्यायन किसानों की कर रहे मदद

किसानों तक पहुंचाया जा रहा क्वालिटी बीज

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

रामकृष्ण मिशन और कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) रांची दिव्यायन मिलकर किसानों की मदद कर रहे हैं. लॉकडाउन में रांची जिले के 30 गांवों के 500 से अधिक किसानों तक क्वालिटी बीज पहुंचाया जा चुका है.

व्हाट्सऐप ग्रुप से 909 किसानों को जोड़ा गया है. किसान अच्छी फसल उपजा सकें, इसके लिए साधन और ट्रेनिंग दी जा रही है. किसानों तक योजना की जानकारी पहुंचे इसके लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है.



लॉकडाउन में भी नहीं होने दी गयी बीज की कमी

केवीके रांची से जुड़कर बेड़ो और अनगड़ा के किसानों तक मदद पहुंचाया जा रहा है. लॉकडाउन में दोनों इलाके के 30 गांवों के 500 से अधिक किसानों तक क्वालिटी बीज पहुंचाया गया. इसमें पैडी 747 किलो, अरहर 3008 किलो, मक्का 500 किलो और 630 किलो ओल के बीज शामिल हैं. साथ ही खरीफ फसल के सीजन के लिए किसानों तक सरगुजा, तिल, मूंग, अरहर और उरद के बीज पहुंचाये जा रहे हैं.

किसानों को मिल रहा है बेहतर साधन

दिव्यायन सह केवीके रांची की मदद से विभिन्न गांवों के किसानों तक रोपाई में इस्तेमाल होनेवाली मशीन भी दी गयी है. तिलहन अनुसंधान संस्थान भरतपुर मदद से अब तक 16 पैडल थ्रेशर, दो मोटर साइड थ्रेशर, 150 साइकिल वीडर किसानों को मुहैया कराया गया है. साथ ही बीज की रोपाई के लिए 16 ट्रीलर की मदद दी गयी है. साथ ही बरसात में फसल नष्ट न हो इसके लिए 13 सीड नेट और बीज की सुरक्षा के लिए 230 सीड बीन बांटे गये हैं. साथ ही किसानों को इन्हें तैयार करने की पद्धति भी बतायी जा रही है.

किसानों में बांटा जायेगा चारा और बीज

केवीके रांची के कार्यक्रम संमन्वयक डॉ अजीत कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल विभिन्न गांवों के किसानों को 17 व्हाट्सऐप ग्रुप के जरिये जोड़कर खरीब फसल की जानकारी दी जा रही है. आने वाले दिनों में इन किसानों को मक्कई और राइस बीन के बीज दिये जायेंगे. इसके अलावा पशुपालन से जुड़े ग्रामीणों को चारा भी उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है. साथ ही ऑनलाइन ट्रेनिंग की सुविधा दी गयी है. किसी भी इलाके के किसान अपने नजदीक के प्रज्ञा केंद्र पहुंचकर सीधे केवीके से जुड़ सकते हैं. इसके अलावा समय-समय पर एफएलडी के तहत प्रतिनिधि के जरिये गांव-गांव में ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाया जा रहा है. किसान अपनी समस्या और खास फसल की ट्रेनिंग के लिए कभी भी दिव्यायन से संपर्क कर सकते हैं. दिव्यायन की ओर से सीआरपीएफ के साथ मिलकर वहीं अनगड़ा, बदरी और रंगामाटी जैसे गांव समेत गेतलसूद और महेशपुर में 2000 पौधे लगाये जायेंगे. इफको के साथ 5000 नीम पौधा लगाने की तैयारी है.

